मा0 सिंचाई मंत्री जी का बजट भाषण 2015–16

- मा0 अध्यक्ष जी आपकी अनुमति से मुझे आज सदन में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का वित्तीय वर्ष 2015–16 का बजट प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ, जो सीधे किसानों से जुड़ा है और हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सदन को यह भी अवगत कराने में अपार हर्ष महसूस हो रहा है कि सरकार ने वर्ष 2015–16 को **किसान वर्ष** के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।
- उत्तर प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था न केवल ऐतिहासिक है अपितु विश्व की सबसे बड़ी सिंचाई व्यवस्थाओं में से एक है। पूर्वी यमुना नहर वर्ष 1823 में, अपर गंगा नहर वर्ष 1854 में तथा वर्ष 1900 में निर्मित सुकवा–डुकवा डैम जैसी अनेक सिंचाई संरचनाएं आज भी अपना कार्य कर रही हैं।
- मा0 अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार राजकीय सिंचाई की सुविधा किसानों को मुफ्त उपलब्ध कराई गई है।
- हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में पहली बार अभियान चलाकर प्रदेश की नहरों की खरीफ एवं रबी दोनों फसलों के पूर्व सिल्ट सफाई का कार्य कराया गया है, जिससे सिंचन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिसकी व्यापक प्रशंसा हुई है। विश्व बैंक द्वारा भी इस प्रयास की सराहना की गई है।
- विगत दो वर्षों में कुल सैंतीस हजार नौ सौ तिरासी किमी0 नहरों की सफाई कराई गई, जिससे लगभग बारह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा किसानों को उपलब्ध हो सकी।
- इसी प्रकार उन्चास हजार पॉच सौ बावन किमी0 कुल ड्रेनों (जिसमें ट्रंक ड्रेन भी सम्मिलित है) के सापेक्ष चार हजार सत्तासी किमी0 ड्रेनों की सफाई करायी गयी।
- मा0 अध्यक्ष जी, उत्तराखण्ड सरकार से वार्ता कर हमने टिहरी डैम जिसमें **पहले 820 मीटर तक पानी भरा जाता था उसे हमने बढ़वा कर 830 मीटर तक करवाया।** विभिन्न धार्मिक अवसरों पर स्नान आदि के लिए श्रद्धालुओं हेतु नदियों में जल की कोई कमी नहीं आने दी गयी।
- मा0 अध्यक्ष जी, मुझे आपके माध्यम से सदन को बताते हुए हर्ष है कि उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग ने आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में प्रवेश करते हुए तेलीबाग, लखनऊ में अति आधुनिक कमाण्ड सेंटर की स्थापना कर देश में एक अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

मैं सम्मानित सदस्यों से यह अनुरोध करूँगा कि वे इस सेंटर को एक बार स्वयं जाकर अवश्य देखें।

- यह भी पहली बार संभव हो पाया कि आज प्रदेश की सभी नहर प्रणालियों का वैज्ञानिक रूप से टी–डाइग्राम विकसित कर लिया गया है। जिसकी सहायता से ऐसी नहरें चिन्हित की गयीं, जिनकी क्षमता सिल्ट जमा होने के कारण कम हो गयी थी। ऐसी नहरों के पुनरोद्धार के कार्य वृहद् स्तर पर प्रारम्भ किए गए।
- मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन को न केवल यह अवगत कराना चाहता हूँ बल्कि विभाग के अधिकारियों को बधाई भी देना चाहता हूँ कि उनके अथक प्रयासों के चलते चालू वित्तीय वर्ष 2014–15 के अन्त तक सिंचाई संसाधनों के सुधार एवं सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण कार्यों पर लगभग **चार हजार पाँच सौ करोड़ रूपये** उपयोग करने में हम सफल होंगे, जबकि पूर्ववती सरकार ने किसी भी वर्ष **छब्बीस सौ करोड़** से अधिक व्यय नहीं किया।
- मा0 अध्यक्ष जी, यहाँ विशेष रूप से आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहूँगा कि केन्द्र से वित्त पोषित सिंचाई एवं बाढ़ सुरक्षा की परियोजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2014–15 में उत्तर प्रदेश सरकार के हिस्से का **सात सौ बाईस करोड़ रूपया** केन्द्र सरकार द्वारा नहीं दिया गया। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने अपने सीमित संसाधनों में से सिंचाई एवं बाढ़ की परियोजनाओं पर धन स्वीकृत करते हुए इन्हें पूरा करने का प्रयास किया है, जो वर्तमान सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता का द्योतक है।
- मा0 अध्यक्ष जी, हम सभी को इस बात से अवगत होना चाहिए कि प्रदेश के विकास एवं किसान के हित को राजनीति से परे रखा जाय। ऐसी योजनाओं का कोई औचित्य नहीं, जिसका लाभ समय से किसान तक न पहुँचे। मैं विभाग की अपनी पूरी टीम की प्रशंसा करना चाहूँगा कि ऐसी परियोजनाएं, जो पिछले 25–30 वर्षों में केवल समय–समय पर ठेके देने के लिए प्रारम्भ की गईं, को अब न केवल समयबद्ध रूप से पूरा कराया जा रहा है, अपितु कृषकों को उनसे लाभ भी मिलना प्रारम्भ हो गया है।
- मा0 अध्यक्ष जी, उदाहरण के रूप में मैं ऐसी कुछ परियोजनाओं के बारे में आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहूँगाः–

<u>सरयू नहर परियोजना–</u>

- यह परियोजना विगत 32 वर्षो से क्रियाशील है।

- इस परियोजना से 09 जनपद क्रमशः बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर एवं महराजगंज लाभान्वित होंगे।
- 1982 में इसकी लागत **दो सौ निन्यानबे करोड़** थी, जो अब बढ़कर **सात हजार दो सौ सत्तर करोड़** (वर्ष 2008 के आधार पर) हो चुकी है और अब वर्तमान दर एवं भूमि के मूल्य में हुई वृद्धि के कारण इसे पूरा करने के लिए लगभग **पाँच हजार करोड़** और अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी।
- 32 वर्षो में **दो हजार आठ सौ चौवालिस करोड़ रूपये** का व्यय तो किया गया, लेकिन वास्तव में नहरों में चौदह सौ गैप्स होने एवं 125 किमी0 लम्बी राप्ती नहर में एक इंच भी खुदाई न होने के कारण किसानों को सिंचाई का कोई लाभ नहीं मिला। हमारी सरकार के गठन के पश्चात मात्र दो वर्षों में परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराते हुए **एक हजार करोड़ रूपये** व्यय कर लगभग एक हजार गैप्स पूर्ण करके और 103 किमी0 मुख्य नहर और 150 किमी0 रजवाहे/अल्पिकाओं की खुदाई कर साठ हजार हेक्टेअर सिंचन क्षमता में वृद्धि की गयी।
- परियोजना हेतु वर्ष 2015–16 में **आठ सौ करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

<u>बाणसागर नहर परियोजना–</u>

- 20 वर्ष पूर्व तत्समय इसकी लागत मात्र **तीन सौ तीस करोड़** थी और वर्ष 2008 की दरों पर यह लागत बढ़कर **तीन हजार एक सौ अड़तालिस करोड़** हो गयी।
- इससे 2 जनपदों, इलाहाबाद एवं मिर्जापुर के किसान लाभान्वित होंगे।
- मा0 अध्यक्ष जी, आपको अवगत कराना है कि इस परियोजना पर पिछली सरकार के कार्यकाल में **बारह सौ सत्तर करोड़ रूपये** व्यय कर दिये गये, परन्तु किसानों को सिंचाई हेतु एक बूँद भी पानी नहीं मिला। यह भी एक रोचक तथ्य है कि अलीगढ़ में बैठ रहे चीफ इंजीनियर से परियोजना का संचालन कराया गया।
- मा0 अध्यक्ष जी, किसानों की हितैषी हमारी सरकार के गठन के पश्चात **चार सौ छत्तीस करोड रूपये** व्यय करके 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण करा दिये गये हैं तथा इससे पचास हजार हेक्टेअर सिंचाई की सुविधा किसानों को दी गयी है।
- परियोजना हेतु वर्ष 2015–16 में दो **सौ करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था** प्रस्तावित है, जिससे परियोजना को वर्ष 2016 तक पूर्ण कराया जाना प्रस्तावित है।

<u>कनहर सिंचाई परियोजना–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, जनपद सोनभद्र के सूखाग्रस्त एवं पिछड़े क्षेत्र की यह परियोजना 33 वर्ष पूर्व जब प्रारम्भ हुई थी, तब इसकी लागत मात्र **सत्ताईस करोड़** थी। हमारी सरकार के आने से पूर्व यह परियोजना शिथिल अवस्था में थी। हमारी सरकार के बनते ही परियोजना के क्रियान्वयन हेतु विभाग द्वारा न केवल उक्त परियोजना को नाबार्ड से स्वीकृत कराया गया,

अपितु इस योजना के सभी मुद्दे सुलझाए गए और चालू वित्तीय वर्ष में एक सौ पन्चान्नबे करोड़ रूपये व्यय करके इसको गति भी दी गयी।

- सरकार द्वारा योजना से प्रभावित कृषक परिवारों के पुनर्वास हेतु **एक सौ पचास करोड़ रूपये की धनराशि तत्काल स्वीकृत की गयी**।
- परियोजना हेतु वर्ष 2015–16 **में एक सौ अस्सी करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।**

बदायूँ सिंचाई परियोजना–

- बदायूँ एवं बरेली के कृषकों को सैंतीस हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा देने के लिए गत सरकार में बिना वित्तीय संसाधन जुटाए हुए ठेके दे दिये गये। हमारी सरकार द्वारा नाबार्ड से परियोजना हेतु **पाँच सौ सैंतीस करोड़ रूपये** स्वीकृत कराके गत दो वर्षों में **तीन सौ करोड़ रूपये** व्यय किये तथा शीघ्र ही यह परियोजना पूर्ण कर ली जाएगी।
- परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु **एक सौ आठ करोड़ रूपये** का प्राविधान किया गया है।

जनपद आजमगढ़ की नहर प्रणाली का पुनरोद्धार–

- मा0 अध्यक्ष जी, शारदा सहायक फीडर प्रणाली से आजमगढ़ जनपद की नहरों की टेलों तक पानी न पहुँच पाने के कारण मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणानुसार **एक सौ आठ करोड़ रूपये** की कार्य योजना बनाकर नहरों के पुनरोद्धार के कार्य तत्काल प्रारम्भ किए जा रहे हैं। उक्त परियोजना के अन्तर्गत दरियाबाद, सुल्तानपुर, फैजाबाद, टाण्डा, दोहरीघाट, निजामाबाद, शाहगंज, लालगंज तथा शानगंज आदि नहरों पर कार्य किये जाने हैं और मुझे विश्वास है कि नहरों के पुनरोद्धार सम्बन्धी इन कार्यों से बाराबंकी, फैजाबाद, सुल्तानपुर, आजमगढ़ आदि जनपदों में सिंचाई हेतु पर्याप्त जल सुलभ होगा तथा आजमगढ़ में टेल तक लगातार पानी पहुँच सकेगा, जिससे कृषकों को खरीफ से ही भरपूर पानी मिलने लगेगा।

जनपद मैनपुरी में सिंचाई सुविधा–

- जनपद मैनपुरी में रूपये 30 करोड़ की लागत से बरनाहल नवीन नहर का निर्माण कराया जा रहा है तथा मैनपुरी में ही पहले से निर्मित बदनपुर नहर के सुदृढ़ीकरण एवं इसकी लम्बाई 18 किमी0 और आगे बढ़ाने का कार्य भी कराया जा रहा है, ताकि मैनपुरी की जनता को सिंचाई की पर्याप्त सुविधा प्राप्त हो सके।

कन्नौज के डार्क जोन में आने वाले दो विकास खण्डों में सिंचाई की सुविधा–

- मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत जनपद कन्नौज के तालग्राम एवं जलालाबाद ब्लाक, जो डार्कजोन में आ गए हैं, में सतही सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत बेवर नहर से लगभग तीस किमी0 लम्बाई की नई नहर के निर्माण का निर्णय लिया गया है तथा इसके लिए **दो सौ चौवालिस करोड़ रूपये** की परियोजना तैयार कराकर कार्यवाही की जा रही है। इस परियोजना के क्रियान्वयन से उक्त ब्लाकों में भूजल स्तर रिचार्ज होगा तथा कृषकों को सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

जनपद रामपुर हेतु नया बैराज बनाकर सिंचाई की व्यवस्था–

- जनपद रामपुर में कोसी नदी पर लालपुर वियर के डाउनस्ट्रीम में नया बैराज बनाकर **दो सौ सोलह करोड़ रूपये** की लागत से सिंचाई परियोजना का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु वित्तीय वर्ष 2015–16 में **तीस करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

गण्डक नहर प्रणाली के पुनरोद्धार की परियोजना–

- मा0 अध्यक्ष जी, कई वर्षों से गण्डक नहर प्रणाली का पुनरोद्धार न होने के कारण इसकी क्षमता उत्तर प्रदेश में **पन्द्रह हजार आठ सौ क्यूसेक** से घटकर दस हजार क्यूसेक रह गयी थी। इस नहर प्रणाली का पुनरोद्धार करा देने से नहर मूल क्षमता से चल पाएगी, जिससे जनपद महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर जनपदों में पर्याप्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।
- मा0 अध्यक्ष जी, **यह परियोजना नाबार्ड से दो सौ तैंतालिस करोड़ रूपये** पर अनुमोदित कराई गयी है। चालू वित्तीय वर्ष में **पचास करोड़ रूपये** निर्गत भी किए गए हैं।
- वित्तीय वर्ष 2015–16 में **पचास करोड़ रूपये** की व्यवस्था प्राविधानित की गयी है।

उ0प्र0 वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना–

- मा0 अध्यक्ष जी, समाजवादी सरकार के गठन के पश्चात प्रदेश के 16 जनपदों बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, ललितपुर, एटा, फिरोजाबाद, कासगंज, मैनपुरी, फर्रूखाबाद, इटावा, कन्नौज, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर तथा कौशाम्बी में निचली गंगा नहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु विश्व बैंक से न केवल परियोजना की स्वीकृति कराई गई, बल्कि मौके पर **सात सौ करोड़ रूपये** व्यय करके कार्य भी कराए गए हैं।

- मा0 अध्यक्ष जी, मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि निचली गंगा नहर प्रणाली में दो हजार एक सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के ललितपुर जनपद के अन्तर्गत रोहिणी, जामनी एवं सजनम बाँध नहर प्रणालियों के आधुनिकीकरण एवं पुनरोद्धार कार्य प्रगति पर हैं।
- वित्तीय वर्ष 2015–16 में **दो सौ करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

<u>जसराना नहर परियोजना–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, जनपद फिरोजाबाद में **एक सौ तीस करोड़ रूपये** की लागत से निर्माणाधीन जसराना नहर परियोजना के अन्तर्गत लगभग चालीस किमी0 लम्बी नहर प्रणाली के कार्य प्रगति में हैं तथा अधिकांश कार्य जून, 2015 तक पूर्ण कर लिये जाएंगे।
- उक्त परियोजना के माध्यम से सिंचाई के साथ–साथ फिरोजाबाद शहर को पीने का पानी भी उपलब्ध कराया जायेगा।
- वित्तीय वर्ष 2015–16 में **अड़तालिस करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

<u>सूचना प्रणाली संगठन–</u>

- सिंचाई विभाग के समस्त कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण कर सूचना तकनीकी से सुसज्जित किया गया है तथा इसे लखनऊ स्थित मुख्यालय स्तर पर कमाण्ड सेंटर से जोड़ा गया है, जिससे परियोजनाओं के संचालन एवं प्रगति का अनुश्रवण किया जाता है। ।
- समस्त कृषकों से सीधे संवाद एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु हेल्प लाइन टोल–फ्री सं0–**1800–180–5450** सुविधा क्रियाशील।

<u>बुन्देलखण्ड क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाएं–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल में बुन्देलखण्ड क्षेत्र में **तीन हजार तिरासी करोड़ रूपये** की लागत की परियोजनाएं, जो चार वर्षों में पूर्ण होनी थीं, के अनुबन्ध तो गठित कर दिए पर आवंटन सिर्फ **तेरह सौ करोड़ रूपये** का ही किया गया।
- वर्तमान सरकार ने आते ही इन अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने का बीड़ा उठाया तथा गत 3 वर्षों में **बारह सौ सैंतीस करोड़ रूपये** उपलब्ध कराए, जिससे तेरह अधूरी सिंचाई परियोजनाओं में से वर्तमान सरकार ने अब तक चार परियोजनाएं पूर्ण करा दी हैं तथा शेष नौ परियोजनाएं आगामी दो वर्षों में पूर्ण कर ली जाएंगी।

- इसी क्रम में बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जमरार बाँध परियोजना/फेज–2 हेतु **रू0 50 करोड़**, पहाड़ी बाँध हेतु **रू0 70 करोड़**, बण्डई बाँध हेतु **रू0 120 करोड़,** भावनी बाँध हेतु **रू0 50 करोड़,** उटारी बांध हेतु **रू0 10 करोड** तथा कचनौंदा बांध हेतु **रू0 30 करोड़** की व्यवस्था इस बजट में प्रस्तावित की गयी है।
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जनता को पीने के पानी हेतु झाँसी जिले की बबीना तहसील में पन्द्रह गाँवों को पानी की सुविधा शीघ्र ही उपलब्ध कराई जाएगी। इस पर कार्य चल रहा है। पिछले वर्ष इस कार्य हेतु दस करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए थे तथा वर्ष 2015–16 हेतु **पाँच करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पूर्व निर्मित बॉधों के विस्थापित परिवारों के पुर्नवास हेतु **रू0 125 करोड़** की योजनाएं स्वीकृत की गईं।

<u>अर्जुन सहायक सिंचाई परियोजना–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जनपद हमीरपुर, महोबा एवं बाँदा में अर्जुन सहायक परियोजना, जो वर्ष 2009–10 से निर्माणाधीन है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग **आठ सौ सात करोड़ रूपये** है। इस परियोजना पर मार्च, 2014 तक **पाँच सौ सत्तान्नबे करोड़ रूपये** व्यय किये जा चुके हैं। यह परियोजना भी शीघ्र पूर्ण कर ली जाएगी। इस परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2015–16 में **एक सौ नौ करोड उन्यासी लाख उन्चास हजार** का बजट प्राविधान किया गया है।

<u>एरच बहुउद्देशीय परियोजना–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, जनपद झाँसी में एरच के पास बेतवा नदी पर नया बैराज बनाकर **छः सौ बारह करोड़ रूपये** की एक बहुद्देशीय परियोजना बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।
- इस परियोजना के पूर्ण होने से पीने के पानी की सुविधा के साथ–साथ सिंचाई की सुविधा भी होगी तथा इस परियोजना से बिजली का उत्पादन भी किया जा सकेगा।
- इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2014–15 में **इक्यावन करोड़ रूपये** स्वीकृत कर दिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए **पचास करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

जल संरक्षण के लिए बन्धियों एवं तालाबों का सुदृढ़ीकरण–

- मा0 अध्यक्ष जी आप भली भाँति अवगत हैं कि विगत वर्षों में भूमि के अन्दर के पानी का लगातार दोहन करने से भूगर्भ जल का स्तर लगातार घट रहा है, जिससे प्रदेश में अधिकांश क्षेत्र डार्क जोन में आ गए हैं। इनमें बुन्देलखण्ड के जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर, झाँसी, बाँदा आदि क्षेत्रों के साथ–साथ जनपद बरेली, बिजनौर, चन्दौली के क्षेत्रों में भी ऐसी समस्या उत्पन्न हो रही हे। ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए वर्षा जल संचयन हेतु 116 बड़े–बड़े तालाबों के पुनरोद्धार, 189 नई बन्धियों का निर्माण तथा दो बड़ी झीलों का पुनरोद्धार करने की परियोजना तैयार कर ली गई है तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 में इस हेतु **एक सौ पन्चानबे करोड बीस लाख रूपये** का प्राविधान प्रस्तावित है।
- मुझे विश्वास है कि इन कार्यों से भूमि के गिरते जलस्तर में व्यापक सुधार तो आएगा ही, साथ ही इन क्षेत्रों में पीने के पानी, सिंचाई की सुविधा व जैविक विकास में भी सहायता प्राप्त होगी।

सिंचाई यांत्रिक विभाग की उपलब्धियाँ–

- मा0 अध्यक्ष जी, प्रदेश में यद्यपि इकतीस हजार राजकीय नलकूपों का नेटवर्क है, फिर भी यह अपर्याप्त हैं। हमारी सरकार द्वारा गत 2 वर्षों मे दो हजार सात सौ अट्ठाईस नए राजकीय नलकूप, पाँच सौ इक्यावन नलकूपों का पुनर्निर्माण, चार हजार पाँच सौ अट्ठाईस नलकूपों का आधुनिकीकरण तथा एक हजार नौ सौ अड़सठ नलकूपों का ऊर्जीकरण कराया गया।
- जनपद चन्दौली में 50 क्यूसेक क्षमता की धनकुंआरी पम्प नहर के निर्माण का कार्य हमने पूर्ण करा दिया है, जिससे एक हजार नौ सौ छत्तीस हेक्टेअर क्षेत्र में सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है।
- मा0 अध्यक्ष जी, प्रदेश में पहली बार राजकीय नलकूपों को सौर ऊर्जा से चलाने हेतु कुछ पाइलेट प्रोजेक्ट्स बनवाए जा रहे हैं। शीघ्र ही इन पर कार्य शुरू होगा।
- वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु नलकूपों के लिए **तीन सौ तिरपन करोड़ रूपये** की बजट व्यवस्था प्राविधानित है।

बाढ़ नियंत्रण–

- मा0 अध्यक्ष जी, सदन का प्रत्येक सदस्य अवगत है कि प्रतिवर्ष प्रदेश में लगभग चौंतीस जनपद बाढ़ से प्रभावित होते हैं और पिछले पैंसठ वर्षों में प्रदेश का एक बटा तीन बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ही बाढ़ से सुरक्षित हो पाया है।

- बाढ़ की परियोजनाओं के वित्त पोषण हेतु विशेष रूप से राज्य सरकार/नाबार्ड के माध्यम से ही संसाधन जुटाए गए, लेकिन पिछले तीन वर्षों में केन्द्र सरकार से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष कभी भी पन्द्रह प्रतिशत से ऊपर धनराशि नहीं मिल पायी, जो कि केन्द्र सरकार की उदासीनता का परिचायक है। सीमित संसाधनों के होने के बावजूद राज्य से संसाधन जुटाकर सरकार द्वारा यह सुनिश्चत किया गया है कि अतिसंवेदनशील/संवेदनशील बाँध सुरक्षित रहें।
- मा0 अध्यक्ष जी, मैं यह भी अवगत कराना चाहता हूँ कि प्रदेश में विशेष रूप से पूर्वांचल की नदियों का उद्गम स्थल नेपाल राष्ट्र में है, इस कारण नेपाल के अधिकारियों से वार्ता कर बाढ़ का पूर्वानुमान करने हेतु एक सॉफ्टवेयर बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है, ताकि बाढ़ आने से पूर्व ही उसकी जानकारी मिल सके।
- बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए वित्तीय वर्ष 2015–16 में **सात सौ अड़तीस करोड़ रूपये** की व्यवस्था प्रस्तावित है।

<u>लखनऊ महानगर में गोमती रिवर फ्रन्ट का विकास–</u>

- मा0 अध्यक्ष जी, सदन के सभी सदस्य अवगत हैं कि समय–समय पर विभिन्न राजनेताओं द्वारा गोमती नदी में मात्र झाड़ू/फावड़ा चलाकर अखबारों में फोटों खिंचवाने तक ही साफ करवाने का नाम मात्र प्रयास किया गया लेकिन लखनऊ शहर की जीवनदायिनी गोमती नदी की सफाई एवं उसके किनारों के सौन्दर्यीकरण करने की सम्पूर्ण परियोजना कभी नहीं बनी। हमारे ऊर्जावान युवा मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा लिये गये निर्णय के उपरान्त सिंचाई विभाग द्वारा गोमती को एक विश्वस्तरीय स्वरूप दिये जाने का बीड़ा उठाया है।
- पिछले दो माह में सरकार द्वारा गोमती नदी में अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के लिये शारदा नहर के महदोइया एवं अटरिया स्केपों की पुनर्स्थापना कर उन्हें गोमती से जोड़ा गया।
- देश में पहली बार चलती नदी में एक कच्चा बंधा बनाकर, नदी के सामान्य बहाव को डाइवर्ट कर बैराज के गेटों को खोलकर नदी की सफाई का प्रयास किया गया।
- नदी की सफाई करने के दौरान मा0 अध्यक्ष जी, अंग्रेजों के समय में नदी में निर्मित एक वियर के दीदार भी वर्तमान पीढ़ी को पहली बार हुए।
- **उक्त योजना के अन्तर्गत नदी के दोनों किनारों पर डाइफ्राम वाल बनाते हुए उसके दोनों किनारों पर सौन्दर्यीकरण के कार्य का एक रिकार्ड समय में विश्व ख्याति प्राप्त मलेशियाई कन्सल्टेन्ट से विजन डॉक्यूमेन्ट तैयार कराकर न केवल कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है, बल्कि इसको दो वर्ष में पूर्ण करने का इरादा भी है।**

- लखनऊ महानगर में पक्का पुल से लेकर शहीद पथ के मध्य नदी के चैनलाइजेशन एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराए जाने प्रस्तावित हैं।
- चालू वित्तीय वर्ष में ही लगभग अस्सी करोड़ धनराशि अवमुक्त की जा रही है।
- वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु उक्त परियोजना एवं उससे सम्बन्धित अन्य कार्यों हेतु लगभग पाँच सौ करोड़ की व्यवस्था करानी प्रस्तावित है।

समादेश क्षेत्र विकास एवं जल प्रबन्धन–

- मा0 अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में गूलों का एक व्यापक नेटवर्क है। यह विभाग अभी तक उपेक्षित था। हमारी सरकार ने निर्णय लेकर इसे सिंचाई से जोड़ा, क्योंकि सरकार की प्रतिबद्धता है कि नहरों का पानी खेत तक पहुँचे। मौके पर सर्वे कराने से यह ज्ञात हुआ कि लगभग 75 प्रतिशत गूलें क्षतिग्रस्त हैं और मौके पर ठीक से कार्य नहीं हुए हैं। सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2015–16 के आय–व्ययक में लगभग **तीन सौ ग्यारह करोड़ रूपये** का प्राविधान कराया जाना प्रस्तावित है।

परती भूमि विकास विभाग–

समेकित वाटरशेड प्रबन्धन कार्यक्रम (आई0डब्ल्यू0एम0पी0)

- वर्षा सिंचित क्षेत्र के लिए वर्ष 2009–10 से अब तक 596 परियोजनाएं स्वीकृत हैं।
- लक्षित क्षेत्रफल 29 लाख हेक्टेअर तथा अनुमानित लागत रू0 **तीन हजार पाँच सौ चालीस करोड़ है।**
- वर्ष 2009–10 से अब तक **पाँच सौ ग्यारह करोड़ व्यय करके तीन लाख चालीस हजार हेक्टेअर क्षेत्र उपचारित किया गया है।**
- अभी तक भारत सरकार एवं राज्य सरकार के बीच वित्त पोषण का अनुपात **नब्बे एवं दस** का था, परन्तु भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015–16 से यह **पचास–पचास** के अनुपात में कर दिया गया है। जिससे इस योजना के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।
- वर्ष 2015–16 में कार्यक्रम हेतु **एक सौ सत्तानबे करोड** रूपये का बजट प्राविधान प्रस्तावित है।

गंगा पुनर्जीवीकरण योजना–

- मा0 अध्यक्ष जी, वर्ष 2015–16 के सिंचाई बजट के अनुमोदन के पूर्व मैं एक ऐसे विषय पर मा0 सदन का ध्यान आकर्षित कर रहा हूँ, जो इस देश की न केवल माँ है बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय

स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। गंगा एवं यमुना नदी पर अविरल निर्मल धारा बनाए रखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पिछले ग्यारह वर्षों से हजारों करोड़ रूपये धनराशि खर्च की गयी। यह चिन्ता का विषय है कि कई हजारों करोड़ रूपये खर्च करने के बावजूद भी हिण्डन नदी के मुहाने पर यमुना नदी में बी0ओ0डी स्तर तीस के ऊपर पाया गया है, और काली नदी से लेकर कानपुर तक गंगा नदी अत्यन्त प्रदूषित है।

- मा0 अध्यक्ष जी, नहरों एवं नदियों की सम्पूर्ण जानकारी सिंचाई विभाग के पास रहती है, लेकिन केन्द्र स्तर पर पिछले 10–11 वर्षों में कभी भी नदियों में पानी बढ़ाने की कोई कार्य योजना नहीं बनाई गई।
- विभागीय अधिकारियों से वार्ता करके गंगा के उत्तर प्रदेश में बहने वाले भाग यमुना नदी, काली (पूर्व व पश्चिम), मालिन नदी, रामगंगा, गोमती एवं सई आदि नदियों के पूरै कैचमेंट एरिया का सर्वे कराकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक नई कार्य योजना बनाई गई है।
- मैंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि इस कार्य योजना पर आई0आई0टी, रूड़की का मत प्राप्त कर लें।
- इस परियोजना के अन्तर्गत जल संवर्धन के लिए आधुनिक स्ट्रक्चर बनाने की कार्य योजना बनाई गई हैं। आई0आई0टी, रूड़की का मत प्राप्त होने पर इसके वित्त पोषण हेतु सुसंगत संस्थाओं से अनुरोध कर अग्रेत्तर कार्यवाही की जाएगी।

मा0 अध्यक्ष जी, इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अनुदान संख्या–94 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में चार हजार नौ सौ बासठ करोड़ चौरासी लाख अस्सी हजार रूपये तथा आयोजनेत्तर मद में दो हजार सात सौ ग्यारह करोड़ इक्यानबे लाख पच्चीस हजार रूपये एवं अनुदान संख्या–95 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में चार सौ तीस करोड़ पचपन लाख पैंतीस हजार रूपये, आयोजनेत्तर पक्ष में तीन हजार तेरह करोड़ पचपन लाख बीस हजार एवं अनुदान संख्या–12 के आयोजनागत पक्ष में कमाण्ड क्षेत्र के विकास हेतु तीन सौ दस करोड़ चौवन लाख चार हजार रूपये तथा समेकित वाटरशेड प्रबन्धन कार्यक्रम हेतु एक सौ सत्तानबे करोड़ बारह लाख उन्चास हजार रूपये इस प्रकार कुल एक सौ सोलह अरब छब्बीस करोड़ तिरपन लाख तेरह हजार रूपये का मा0 सदन के समक्ष पारित किये जाने का प्रस्ताव है।